डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 57 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 06 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

एटीएम लूट की योजना बनाते दबोचे गए 4 आरोपियों को 5-5 साल की सजा

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंदसौर द्वारा एटीएम लूट/डकैती की योजना बनाते हुए पकड़े गए 4 आरोपियों को 05-05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1-1 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

लोक अभियोजक तेजपालसिंह धाकड़ी द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 04 मार्च 2023 को फरियादी सुनील जाटव थाना- वाईडी नगर को मुखबीर सूचना मिली कि गोदरशाह दरगाह के नीचे महू नीमच रोड़ पर 5-6 बदमाश अवैध हथियारों से सुसज्जित होकर एमआईटी चौराहा पर एटीएम लुट/डकैती की योजना बना रहे है। सूचना पर पुलिस द्वारा दो टीमें गठीत कर दबिश दी गई एवं वहां बनी बाउंड्रीवाल के पीछे से संदिग्ध बदमाशो की बाते सुनी जो स्मृति बैंक एटीएम लूट/डकैती की योजना बना रहे थे। जिनमें से एक व्यक्ति के पास ग्लाईडिंग मशीन एवं दूसरे के पास इलेक्ट्रानिक वेल्डिंग मशीन व दो व्यक्ति के पास सब्बल व लाल मिर्च के पैकेट रखे थे। एक व्यक्ति को रैकी करने के लिए तैनात किया गया था।

पुलिस ने घेराबंदी कर चारों लोगों को पकडा तथा एक आरोपी अंधेरा होने से भागने में कामयाब हुआ। पकडे गये लोगों से पूछताछ करने पर बताया कि स्मृति बैंक व एटीएम पर डकैती डालने व लूट की योजना बना रहे थे। पूछे जाने पर अपना नाम शाहरूख, दशरथ, सददाम तथा अकरम बताया तथा मौके से भागने वाले का नाम रोशन पिता फरीद होना बताया। पकड़े गये बदमाशों से पुछताछ कर तलाशी लेने पर वेल्डिंग मशीन, होल्डर, वायर, धारदार चाकू, ग्लाईडिंग मशीन, पाना, पीसी हुई मिर्ची एवं घटना स्थल से मोटर साइकिल जप्त कर आरोपियो के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपूर्ण अनुसंधान उपरांत न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में अभियोजन द्वारा सात साक्षियों के कथन करवाएं गए एवं महत्वपूर्ण 34 दस्तावेज प्रदर्शित करवा कर आरोपियों को दोषसिद्व करवाया गया। प्रकरण की पैरवी लोक अभियोजक तेजपालसिंह शक्तावत, अतिरिक्त लोक अभियोजक भगवतीलाल शर्मा एवं भगवानसिंह चौहान द्वारा की गई।

दूसरी बार कोई निर्दलीय आया दूसरे नंबर पर

1957 के बाद सबसे ज्यादा वोट लाए निर्दलीय श्यामलाल

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इस बार विधानसभा चुनाव में एक निर्दलीय प्रत्याशियों की बात करें तो 1957 के बाद पहला मौका है जब कोई निर्दलीय प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा दूसरा ही मौका है जब सबसे ज्यादा वोटों का प्रतिशत निर्दलीय प्रत्याशी के पास रहा। इस बार मल्हारगढ़ से निर्दलीय प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे। इन्होंने कुल मत में से 26.5 प्रश मत प्राप्त किए। आपको बता दे कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार चुनाव में प्रत्याशियों को सिक्योरिटी राशि जमा करना अनिवार्य है। लोकसभा के लिए यह 25 हजार और विधानसभा के लिए 10 हजार तय है। एससी-एसटी प्रत्याशी को आधी राशि ही जमा करना होती है।

दस फीसदी से ज्यादा लाने वाले सिर्फ छह...

इस बार 21 निर्दलीय मैदान में थे। मतलब 1951 से 2023 तक कुल 167 निर्दलीय मैदान में उतरे हैं और इनमें से महज छह ही कुल मतदान के 10 फीसदी से अधिक मत ला पाए हैं। मतलब छटे श्यामलाल जोकचंद है। 1957 में सीतामऊ विधानसभा में जरूर एक निर्दलीय ने दूसरा स्थान हासिल किया था। इधर बात करें तो सबसे ज्यादा मत 1951 के चुनाव में भानपुरा में एक निर्दलीय लेकर आया था।

सबसे ज्यादा मत लाने का रिकॉर्ड भी टूटा...

इस बार किसी निर्दलीय द्वारा सबसे ज्यादा मत लाने का रिकॉर्ड भी टूटा। 1957 में हुए विधानसभा चुनाव में सीतामऊविधानसभा में निर्दलीय मोहनसिंह ने 5411 मत प्राप्त किए थे। यह कुल मतदान का 30.53 प्रतिशत था। इस बार मल्हारगढ़ से निर्दलीय प्रत्याशी श्यामलाल जोकचंद को 57 हजार 474 मत प्राप्त हुए। यह जिले के विधानसभा चुनाव के इतिहास में किसी भी निर्दलीय को मिला सर्वाधिक मत है।

जमानत बचाने के लिए यह जरुरी...

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार किसी प्रत्याशी को उसकी सीट पर हुए कुल मतदान (वैध मतों की संख्या) के छठे हिस्से से कम वोट मिलते हैं तो जमानत राशि जब्त कर ली जाती है। इसके पीछे मकसद यह है कि गंभीर प्रत्याशी ही मैदान में उतरें, फिर भी कई प्रत्याशी सिर्फ नाम के लिए पर्चा भर देते हैं या जातिगत तौर पर चुनावों को प्रभावित करने के मकसद से पार्टियां डमी प्रत्याशी खड़े कर देती हैं। 2018 में कांग्रेस और भाजपा को छोड़कर खडे हुए उम्मीदवारों की संख्या तीस थी। 1957 से लेकर अब तक हुए चौदह चुनावों में यह संख्या सबसे ज्यादा थी। इस बार यह संख्या 21 रही।

कब कितने सर्वाधिक मत लाए निर्दलीय...

वर्ष	विस	उम्मीदवार	प्राप्त मत प्रश
1951	भानपुरा	मुकुदलाल हजारीलाल	19.03
1957	सीतामऊ	मोहनसिंह	30.53
1962	गरोठ	कस्तुरचंद	12.50
1990	मंदसौर	कय्यूम खान लाला	18.89
2003	मंदसौर	आशिया बी	10.13
2023	मल्हारगढ़	श्यामलाल जोकचंद	26.5

गरोठ विधानसभा की तीन नप में से दो पर कांग्रेस को बढ़त

भानपुरा, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ-भानपुरा विधानसभा क्षेत्र में भले ही भाजपा ने भारी मतों से जीत का परचम लहराया हो, पर विधानसभा क्षेत्र की तीन नगर परिषदों भानपुरा, गरोठ व भेसोदा में से दो भानपुरा व गरोठ में कांग्रेस को विजय मिली है। केवल भेसोदा में भाजपा बढ़त में रही।

मिली जानकारी अनुसार गरोठ नगर परिषद में कांग्रेस को 6036 मत मिले, जबकि भाजपा को 5588 मत मिले और पहली बार कांग्रेस यहां से 448 मतों से विजयी रही। कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली नगर परिषद भानपुरा में कांग्रेस को 6694 मत मिले तो भाजपा को 5766 मत मिले। यहां कांग्रेस 928 मतों से विजयी रही। पहली बार भेसोदा नगर परिषद में भाजपा विजयी रही। यहां कांग्रेस को 3298 मत मिले तो भाजपा को 4812 मत मिले ओर भाजपा 1214 मतों से विजयी रही। भेसोदा नगर परिषद बनने के बाद यह पहला चुनाव था ओर इसमें भाजपा विजयी रही। भेसोदा नगर परिषद के 12 पोलिंग बूथ में से 11 पर भाजपा विजयी रही। जहां कांग्रेस ने भाजपा के परम्परा गत गरोठ नगर परिषद में विजय हासिल की तो भाजपा ने कांग्रेस का गढ माने जाने वाली भेसोदा नगर परिषद मे जीतकर हिसाब बराबर कर दिया। इस चुनाव में कांग्रेस के कई परम्परा गत पोलिंग बूथों पर भाजपा विजय रही।

सोना हुआ 300 रूपए सस्ता

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सोने के भाव में तेजी जारी है। सराफा बाजार में सोमवार को भाव में 300 रुपए की तेजी आई। तो वहीं मंगलवार को 300 रुपए कम हो गए। मंगलवार को भाव 63,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गए। सराफा व्यापारियों के मुताबिक आगे भी तेजी जारी रहेगी। भाव में तेजी की वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाव बढ़ना है। शादियों का सीजन होने और क्रिसमस पर्व होने से विदेशों में सोने में अच्छी डिमांड है। इससे भाव में तेजी जारी है। इस माह सोना अब तक 500 रुपए महंगा हो गया है और हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है।

दीपावली से अब तक सोना 2 हजार रूपए महंगा- दीपावली से अब तक सोना 2 हजार रुपए महंगा हुआ है। 12 नवंबर को सोने के भाव 61,300 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं अब 63,000 रुपए प्रति दस ग्राम हैं। चांदी की बात करें तो चांदी 3500 रुपए प्रतिकिलो महंगी हुई है। दीपावली के दिन भाव 72,000 रुपए प्रतिकिलो थे। वहीं अब 75,500 रुपए प्रतिकिलो है।

सोने के साथ ही चांदी भी रिकॉर्ड भाव पर पहुंच गई है- सोने के सपोर्ट में चांदी भी महंगी हो रही है और यह भी रिकॉर्ड भाव पर बिक रही है। सराफा बाजार में चांदी 75 हजार 500 रुपए प्रतिकिलो बिकी। सराफा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के सपोर्ट में सोना घरेलू बाजार में भी महंगा हो रहा है और हर दिन भाव बढ़ रहे हैं। यह तेजी आगे भी बनी रह सकती है।

शीतलहर: एक व्यक्ति की मौत

नपा के इंतजाम नाकाफी, दिन भर ठिठुरत रहे लोग

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के साथ ही अंचल में कड़ाके की ठंड का दौरा जारी है। कंपकंपा देने वाली शीत लहर के कारण सोमवार को बड़े अस्पताल के सामने भीख मांग कर गुजारा करने वाले एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, मंगलवार को भी शीतलहर जारी रही। इस दौरान अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

मौसम जानकारों के अनुसार 2 दिसंबर को बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात मिचौंग का असर मध्यप्रदेश में भी दिखाई दे रहा है। यह तूफान आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के समुद्री तट से टकराया है। इससे तापमान में गिरावट आई है। हालांकि जिले में इसका ज्यादा असर नहीं हुआ। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि तूफान की एक्टिविटी घटने के बाद दिन में धूप खिलेगी और रात में तापमान लुढ़केगा। 11 और 12 दिसंबर को फिर से बारिश का दौर शुरू होगा।

तापमान में गिरावट और शीत लहर की सबसे ज्यादा मार फुटपाथ व खुले में रहने वाले गरीब लोगों पर हो रही है। ठंड में नगर पालिका द्वारा सार्वजनिक स्थल पर अलाव और रेन बसेरा का इंतजाम किया जाता है। लेकिन, नगर पालिका के जिम्मेदार इस बार खुले में रहने वाले गरीब लोगों की सुध नहीं ले पाई। यही कारण है कि बड़े अस्पताल के सामने खुले में सो रहे एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने प्राथमिक तौर पर आशंका जताई है कि मृतक के पास ओढने के पर्याप्त कपड़े नहीं थे। इसीलिए उसकी मौत की वजह ठंड हो सकती है। इसके बाद भी नगर पालिक ने कोई सुध नहीं ली। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि मृतक भीख मांगकर गुजारा करता था। वैसे आचार संहिता के चलते जनप्रतिनिधि कोई हस्तक्षेप नहीं कर पा रहे थे। अब नगर पालिका के ढर्रे में सुधार हो सकता है।

तीन -चार दिन बाद बढ़ेगी ठिठुरन...

महीने के दूसरे सप्ताह अर्थात 3-4 दिन बाद ठंड और बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार अभी 3-4 दिन पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के बाद हवाओं का रुख बदलेगा। जिससे उत्तरी हवा आना शुरू होगी। इससे दोपहर व रात में ठंड का असर तेज होगा। कृषि वैज्ञानिक डॉ. सीपी पचौरी ने बताया कि बारिश से अफीम को छोड़कर सभी फसलों को लाभ मिलेगा। अफीम की फसल को धूप चाहिए। लेकिन, अभी मौसम में नमी अधिक है। नमी के कारण अफीम में काली मस्सी बीमारी का खतरा अधिक हो रहा है। इस बीमारी के आने पर अफीम की बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन प्रभावित होता है।

नियमों को ताक पर रखकर काट दी कॉलोनी

दो मामलों में पांच कालोनाईजरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनी काटने के मामले में पुलिस ने दो मामलों में 5 कालोनाईजरो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसमें नगर परिषद गरोठ की और से कर्मचारी की शिकायत पर माधव रेसीडेंसी के मामले में अशोक पिता भंवरलाल पाटीदार, दीपा पति अशोक पाटीदार निवासी गरोठ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं सिद्ध सहाय कॉलेनी गरोठ के मामले में ऋषभ पिता प्रकाशचंद हरसोल निवासी गरोठ, पवन पिता निर्भयराम पाटीदार निवासी बरखेडा लोया और दिलीप पिता नारायणसिंह निवासी किलगारी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य नगरपालिका अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इन्होंने नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनी काटी। जिसके बाद पुलिस ने नगर परिषद की रिपोर्ट पर कार्रवाई की है।

कलेक्टर ने दिए थे आदेश...

कृषि भिन्न आशय की भूमियों पर बिना सक्षम अधिकारियों की अनुमति के छोटे छोटे भूखंड काटकर उन्हें विकसित कॉलोनियां बताकर जनता को भ्रमित करके भूखण्ड बेचने वाले लोगों पर करीब दो साल चली जांच के बाद कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने 28 नवंबर 2023 को एक आदेश पारित कर गरोठ में अवैध कॉलोनी काटने वालो के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के लिए नगर परिषद सीएमओ को निर्देशित किया था।

जांच दल का किया था गठन...

वर्ष 2021 में गरोठ नगर में नगरपरिषद कार्यालय और एसडीओपी कार्यालय के पास ही राहुल पाटीदार और दीपा पाटीदार द्वारा माधव रेसीडेंसी नामक एक अवैध कॉलोनी का निर्माण कर छोटे छोटे भूखण्ड काटकर विक्रय कर दिए गए। इस कृत्य की शिकायत तत्कालीन एसडीएम आरपी वर्मा को हुई। जिसके बाद श्री वर्मा ने एक जांच दल का गठन किया। जिसमें तहसीलदार, आरआई, पटवारी और नगरपरिषद सीएमओ शामिल थे। जांच दल ने पाया था कि मौके पर बाउंड्रीवाल, सड़क और नाली निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जिससे ये स्पष्ट हो चुका था कि कॉलोनी अवैध है।

अनुमति नहीं की गई जारी...

इसके बाद नगर परिषद गरोठ के तत्कालीन सीएमओ ने भी यह लिखित में दिया था कि माधव रेसीडेंसी और सिद्धालय नामक कॉलोनी को नगरपरिषद ने कोई निर्माण अनुमति जारी नही की है। एसडीएम आरपी वर्मा की पदोन्नति के बाद दूसरे एसडीएम आए और अवैध कॉलोनियों पर चल रही कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गई। फिर शिकायतकर्ताओं के आवेदन पर

नगरपरिषद गरोठ ने कलेक्टर को प्रकरण पेश कर बताया कि अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई हमारे क्षेत्राधिकारी में नही है। इसलिए आगे की कार्रवाई के लिए आपकी ओर प्रकरण प्रस्तुत है।

राहुल के खिलाफ पहले भी दर्ज है एफआईआर...

प्रकरण में लंबे समय तक सुनवाई हुई थी। इस बीच माधव रेसीडेंसी के अशोक उर्फ राहुल पाटीदार ने नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय से अनुमित प्राप्त कर ली, कॉलोनाइजर लायसेंस प्राप्त कर लिया ताकि कार्रवाई से बच जाए। इसी प्रकरण में एक अन्य मामला ये सामने आया कि माधव रेसीडेंसी न केवल अवैध बल्कि पाटीदार समाज को कन्या छात्रावास हेतु दान में दी गई भूमि पर काट दी गई है। जिसको लेकर जमीन दान करने वाले परिवार ने तत्कालीन एसपी सुनील पांडे से मिलकर भूमाफिया राहुल पाटीदार के विरूद्ध एफआईआर भी दर्ज करवाई थी।

विधानसभा चुनाव में 20 जिले हो गए कांग्रेस मुक्त, एक भी सीट नहीं मिली

भोपाल, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में 20 जिले कांग्रेस मुक्त हो गए। यहां एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत सकी। पिछले चुनाव में ऐसे जिले छह ही थे। वहीं, तीन जिले ऐसे भी हैं, जहां भाजपा का खाता नहीं खुला। इनमें छिंदवाड़ा ऐसा जिला रहा, जहां की सभी सातों सीटों पर कांग्रेस कब्जा बरकरार रखने में सफल रही।

विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस के लिए सदमे से कम नहीं हैं। कई जिलों में कांग्रेस का पूरी तरह से सफाया हो गया। दमोह में पिछले चुनाव में कांग्रेस ने एक सीट जीती थी और एक सीट पथरिया से बसपा की रामबाई चुनाव जीती थी। इस जिले में इस बार कांग्रेस और बसपा का सफाया हो गया।

इन जिलों में कांग्रेस साफ...

भाजपा ने कटनी, पन्ना, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर और इंदौर जिलों में सभी सीटें जीतकर जिले को कांग्रेस मुक्त कर दिया। नरसिंहपुर जिले में तीन तो बैतूल में चार सीटें अपने पाले में कीं। रतलाम में एक सीट पहली बार भारत आदिवासी पार्टी ने जीतकर खाता खोला है। यह सीट पहले कांग्रेस के पास थी। सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, नर्मदापुरम, सीहोर और नीमच में भाजपा ने अपना पिछला प्रदर्शन दोहराते हुए कांग्रेस को सेंध लगाने का कोई अवसर नहीं दिया। इन 20 जिलों में भाजपा ने 89 सीटें जीती हैं।

गढ़ बचाने में सफल रहे कमल नाथ...

कमल नाथ अपना छिंदवाड़ा का गढ़ बचाने में सफल रहे। यहां पिछले चुनाव में भी सभी सातों सीटें कांग्रेस ने जीती थीं और इस बार भी प्रदर्शन दोहराया है। जबकि, भाजपा ने यहां सेंध लगाने के हरसंभव प्रयास किए। चुनाव की घोषणा के पहले पांढुर्णा जिला बनाया

तो केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों की टीम लगाई। कमल नाथ को यहां विशेष ध्यान देना पड़ा। वह दिन में दो-तीन सभा करने के बाद रात को छिंदवाड़ा पहुंच जाते थे और उनके पुत्र छिंदवाड़ा से सांसद नकुल नाथ पूरे समय डटे रहे। हरदा में दोनों सीटें कांग्रेस ने जीतीं तो श्योपुर में विजयपुर जीतकर बढ़त बना ली।

मल्हारगढ़ जनपद अध्यक्ष पुष्पाबाई पाटीदार का निर्वाचन अवैध घोषित

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जनपद पंचायत मल्हारगढ़ के अध्यक्ष पद पर 8 जुलाई 2022 को श्रीमती पुष्पा पाटीदार का निर्वाचन हुआ था। निर्वाचित जनपद सदस्यों द्वारा उन्हें बहुमत से निर्वाचित किया गया था। इस निर्वाचन में एक अन्य उम्मीदवार श्रीमती संगीताबाई राठौर थी। इस निर्वाचन को म.प्र. पंचायत राज्य अधिनियम की धारा-122 के अंतर्गत श्रीमती संगीताबाई ने चुनौती दी थी।

याचिका में ये कहा गया था कि पुष्पाबाई पाटीदार ने सक्षम प्राधिकारी का म.प्र. का जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया था। उनका जन्म और शिक्षा ग्राम गादौला जिला प्रतापगढ (राज.) में हुई। इस कारण वे मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग के लिये आरक्षित स्थान के लिये निर्वाचित होने के लिये पात्र नहीं है। जब याचिका का सूचना पत्र जनपद अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाबाई को भेजकर जवाब लिया गया तो उन्होंने जवाब में यह बताया कि उनका जन्म और शिक्षा राजस्थान में हुई है। किन्तु विवाह उपरान्त वे मंदसौर जिले के ग्राम बरखेडा देवडूंगरी की निवासी हो गई है। वह अब 25 वर्ष से म.प्र. की निवासी और पिछड़ा वर्ग की है। याचिकाकर्ता श्रीमती संगीताबाई के अभिभाषक श्री प्रकाश रातडिया का तर्क था कि जिस अभ्यर्थी का जन्म मध्यप्रदेश में नहीं हुआ है और मध्यप्रदेश के सक्षम प्राधिकारी का जाति प्रमाण पत्र नहीं है, उसे आरक्षित पद पर निर्वाचित होने की पात्रता नहीं है।

कलेक्टर श्री दिलीपकुमार यादव ने उभयपक्ष द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं तर्कों पर विचार उपरान्त पारित अपने निर्णय द्वारा जनपद पंचायत मल्हारगढ़ की निर्वाचित अध्यक्ष पुष्पाबाई पाटीदार का चुनाव अवैध एवं शून्य घोषित कर पद रिक्त घोषित कर दिया। कलेक्टर ने पाया कि आरक्षित पद पर निर्वाचित होने के लिये अभ्यर्थी का आरक्षित वर्ग का होना एवं तत्संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत होना आवश्यक है।

स्टेयरिंग फैल होने से पेड़ से टकराई कार, नाबालिग की मौत, 6 गंभीर घायल

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच के हाईवे बाइपास पर भरभडीयां और मालखेड़ा फंटे के बीच कार का स्टेयरिंग फैल होने से मंगलवार को एक हादसा हो गया है। जिसमें 13 वर्षीय नाबालिग की मौत हो गई है। जबकि 6 अन्य लोग गंभीर घायल हैं। सभी को 108 एम्बुलेंस से बड़े अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि राजस्थान के चित्तौडगढ़ जिले के भदेसर थाना क्षेत्र के गांव जापा खेडी से कार सवार सभी लोग मंदसौर जिले के पिपलियामंडी के समीप एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान नीमच हाईवे बाइपास स्थित भरभडिया और मालखेडा फंटे के बीच कार का स्टेयरिंग फेल हो गया। इसके चलते कार अनियंत्रित होकर पेड से टकरा गई।

1 नाबालिग की मौत, 6 गंभीर घायल- इस हादसे में हर्षी बाई पति सोरम उम्र 65 वर्ष, दिव्या पिता गोपाल उम्र 13 वर्ष, प्यारेचंद पिता माधव उम्र 40 वर्ष, लक्ष्मण पिता रूपमल उम्र 60 वर्ष, गंगाबाई पति नानूराम ... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

सकल घरेलू उत्पाद में संतुलित वृद्धि दर जरूरी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अनुमान से कहीं अधिक दर्ज होने से स्वाभाविक ही अर्थव्यवस्था को लेकर उत्साह का वातावरण है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस तिमाही में वृद्धि दर 6.5 फीसद रहने का अनुमान लगाया था, मगर यह 7.6 फीसद दर्ज हुई है। इसमें निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बहुत अच्छा रहा। पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जहां -3.8 रही, वहीं इस वर्ष 13.9 फीसद दर्ज हुई। इसी तरह निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की 5.7 फीसद की तुलना में 13.3 फीसद देखी गई। इन दोनों क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन के चलते सेवा, कृषि आदि अन्य क्षेत्रों में वृद्धि दर धीमी रहने के बावजूद सकल वृद्धि दर पिछले वर्ष की 6.2 फीसद की तुलना में इस वर्ष 7.6 फीसद दर्ज हुई। निश्चित रूप से इस वृद्धि दर से अगली दो तिमाहियों में वृद्धि दर का दबाव कम हो गया है और रिजर्व बैंक के इस वर्ष की कुल वृद्धि दर 6.5 फीसद के लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो गया है। रिजर्व बैंक का मानना है कि अगली दो तिमाहियों में भी प्रदर्शन बेहतर रहेगा। स्वाभाविक ही, इससे अर्थव्यवस्था के और मजबूत होने की उम्मीद बढ़ गई है। इस समय जब दुनिया के तमाम देश मंदी और महंगाई के दौर से गुजर रहे हैं, तब भारत में वृद्धि दर का रुख ऊपर की तरफ रहना निवेश की संभावनाओं को प्रबल बनाता है। कोरोना महामारी और पूर्णबंदी के बाद निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र एक तरह से ठप पड़ गए थे, जिसका असर विकास दर पर साफ दिखने लगा था। मगर इन क्षेत्रों ने जल्दी ही रफ्तार पकड़ ली और इस वर्ष की दूसरी तिमाही तक पहुंच कर अपनी पुरानी लय में लौट आए हैं। हालांकि दूसरे क्षेत्रों में चुनौतियां अभी बनी हुई हैं। सेवा क्षेत्र, जिसमें होटल, व्यापार, परिवहन और संचार में मंदी देखी गई है। इस क्षेत्र में पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में 9.4 फीसद के मुकाबले इस बार महज 5.8 फीसद वृद्धि दर्ज हुई। इसी तरह कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन पिछले वर्ष के 2.5 फीसद की तुलना में 1.2 फीसद देखा गया। इन क्षेत्रों में सबसे अधिक लोग काम पर लगे होते हैं, इसलिए यह चिंता का विषय है। इस वृद्धि दर में एक विरोधाभास यह भी है कि पिछले वर्ष के 8.3 फीसद की तुलना में निजी व्यय घट कर 3.1 फीसद दर्ज हुआ, फिर उधारी की दर में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई, इसके बावजूद निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर में उछाल देखा गया। अर्थव्यवस्था में स्थायी मजबूती के लिए सभी क्षेत्रों के सकल घरेलू उत्पाद में संतुलित वृद्धि दर जरूरी होती है। इस दृष्टि से भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। फिर, महंगाई पर काबू पाना कठिन बना हुआ है, वैश्विक उथल-पुथल की वजह से कच्चे तेल की कीमतें नीचे नहीं आ रहीं। छोटे, मझोले और सूक्ष्म उद्योगों की स्थिति अब भी बेहतर न होने की वजह से रोजगार का संकट बना हुआ है। राजकोषीय घाटा कम नहीं हो पा रहा। आयात और निर्यात में संतुलन कायम करना कठिन बना हुआ है। घरेलू निवेश, लोगों की क्रयशक्ति और निर्यात नहीं बढ़ेगा, तो विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर का प्रभावित होना तय है। हालांकि रिजर्व बैंक इन पहलुओं पर नजर रखते हुए सावधानी बरत रहा है, पर अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम कम नहीं हुए हैं।

आत्मनिर्भर बनने के लिए उठाये गये कदमों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाया

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2023 के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के आंकड़े भारत सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर विभिन्न वित्तीय संस्थानों द्वारा लगाए गए अनुमानों से बहुत ऊपर रही है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा दिए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत अधिक अर्थात यह वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत की रही है, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रही थी। भारत में इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि की तुलना में अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में तिमाही के दौरान वृद्धि दर बहुत कम रही है। फिलिपींस में 5.9 प्रतिशत, रूस में 5.5 प्रतिशत, वियतनाम में 5.33 प्रतिशत, अमेरिका में 5.2 प्रतिशत, चीन में 4.9 प्रतिशत, मलेशिया में 3.3 प्रतिशत, थाईलैंड में 1.5 प्रतिशत, ब्रिटेन में 0.6 प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में 0.1 प्रतिशत, जर्मनी में रिणात्मक 0.4 प्रतिशत एवं जापान में रिणात्मक 2.1 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई है। इस प्रकार भारत पूरे विश्व में लगातार सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हर्ष का विषय तो यह है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर में मुख्य योगदान उद्योग क्षेत्र का रहा है। भारत के उद्योग क्षेत्र ने इस दौरान 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, जोकि हाल ही के समय में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2022 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने रिणात्मक 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, विनिर्माण क्षेत्र ने 13.9 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान रिणात्मक 3.8 प्रतिशत थी। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र ने 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर, माइनिंग क्षेत्र ने 10 प्रतिशत, कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने 13.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है। इन समस्त क्षेत्रों में रिकार्ड वृद्धि दर से भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं, जिसके चलते बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में प्रत्येक वर्ष अक्टूबर-नवम्बर माह में दीपावली एवं अन्य कई महत्वपूर्ण त्यौहारों का मौसम रहता है। इन त्यौहारों के दौरान भारत के नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों की भारी मात्रा में खरीददारी की जाती है। ऐसा आभास है कि अक्टोबर-नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही में ऑटोमोबाइल, फ्रिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अक्टूबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टतः पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जोकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पूरे विश्व में ही खाद्य उत्पादों की भारी कमी महसूस की जा रही है। भारत, इस स्थिति का लाभ उठा सकता है एवं पूरे विश्व को ही खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर सकता है। रबी मौसम की बुआई का कार्य प्रगति पर है। यदि खाद्य पदार्थों की बुआई के क्षेत्रफल में भारी विस्तार किया जा सके तो खाद्य पदार्थों के उत्पादन में भारी वृद्धि की जा सकती है। आज पूरा विश्व ही खाद्य पदार्थों के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए है एवं आशाभरी नजरों से भारत की ओर देख रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में सेवा क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई वृद्धि दर ने जरूर निराश किया है। इस दौरान सेवा क्षेत्र ने 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज की गई वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में हासिल की गई वृद्धि दर से आश्चर्य भी हुआ है क्योंकि विभिन्न बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में वृद्धि दर लगातार दहाई के आंकड़े पर बनी हुई है, रेलवे एवं हवाई जहाज का उपयोग भी लगातार उच्चतम स्तर पर बना हुआ है। फिर भी, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र ने 6 प्रतिशत एवं व्यापार एवं होटल क्षेत्र ने 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इसी प्रकार निजी क्षेत्र में अंतिम उपभोग में भी केवल 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। भारत को यदि शीघ्र ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना है तो भारत के निजी क्षेत्र के लिए अपने उपभोग में वृद्धि करना अब आवश्यक हो गया है। यह तो सरकारी क्षेत्र के अंतिम उपभोग में भारी भरकम 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है, एवं केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में भारी भरकम वृद्धि रही है जिसके चलते देश में पूंजी निर्माण में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जो अंततः इस तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के पीछे मुख्य कारक बन गया है। आगे आने वाले समय में लोक सभा चुनावों को देखते हुए सम्भवतः केंद्र सरकार के अंतिम उपभोग में और अधिक वृद्धि होने की सम्भावना है एवं इस दौरान केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय भी अभी और तेजी से बढ़ेगा जिसके कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय एवं चतुर्थ तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद में आकर्षक वृद्धि दर रहने की भरपूर सम्भावना है। साथ ही, इस वर्ष नवम्बर 2023 माह में दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के चलते लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दर्ज हुआ है तथा देश में विभिन्न तीर्थ स्थलों पर भारी मात्रा में भारतीय नागरिक धार्मिक पर्यटन करते हुए दिखाई दे रहे हैं और आगे आने वाले माह में देश में शादियों के मौसम के चलते भी नागरिकों के खर्च में भारी भरकम वृद्धि होगी, इसका प्रभाव, तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पर भी देखने को मिलेगा। कुल मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति के पालन (धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाते भारतीय, विभिन्न भारतीय त्यौहारों को बड़े उत्साह से मनाते भारतीय) से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है।

सिखों का विश्वास जीतने के लिए भाजपा को बहुत कुछ करना होगा

इकबाल सिंह चन्नी

भारत की आजादी के 75 वर्षों में दो ही प्रमुख पार्टियों कांग्रेस तथा भाजपा ने ही अधिकतर समय केंद्र में शासन किया है। मगर कई कारणों से सिख भाईचारा दोनों ही प्रमुख पार्टियों की सरकारों की सिखों के प्रति कारगुजारी से खुश नहीं है। यदि कांग्रेस की बात करें तो उसके द्वारा देश के आजाद होने के बाद लिए गए फैसलों ने सिखों में भारी नाराजगी पैदा की, जिस कारण सिखों के प्रतिनिधि सियासी पार्टी अकाली दल को कई बार कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चे लगाने पड़े। दरबार साहिब पर सैन्य कारवाई तथा इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली तथा अन्य स्थानों पर सिखों के कत्लेआम के कारण सिखों की एक बड़ी गिनती ने खुद को कांग्रेस से बहुत दूर कर लिया था। दूसरी ओर भाजपा ने कांग्रेस की तरह सिखों के साथ कोई ज्यादती नहीं की। मगर कभी-कभार पार्टी के कुछ नेताओं की बयानबाजी तथा केंद्र सरकार द्वारा किए गए फैसले सिखों में भाजपा के प्रति नाराजगी पैदा कर रहे हैं। भाजपा ने सिख भाईचारे को अपने साथ जोड़ने के लिए उनके हक में कई फैसले किए, जिनमें श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर बनाना, छोटे साहिबजादों की याद में सरकारी तौर पर वीर बाल दिवस मनाने की शुरूआत करना, श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व लाल किले पर मनाना, 312 सिखों की काली सूची खत्म करना, दरबार साहिब अमृतसर के लंगर पर जी.एस.टी. खत्म करना तथा अफगानिस्तान से श्री गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप आदर-सत्कार से भारत वापस लेकर आना आदि शामिल हैं। मगर हैरानी वाली बात है कि सिखों के लिए ऐसे सकारात्मक फैसलों के बावजूद सिखों की एक बड़ी संख्या भाजपा को सिख विरोधी ही मान रही है। भाजपा की सिखों में ऐसी छवि बनने के जरूर कुछ कारण हैं जिनमें भाजपा नेताओं की बयानबाजी सबसे अधिक असर करती है, बेशक यह पार्टी की नीतियों से मेल नहीं खाती। इसके अतिरिक्त सिखों के हक में किए जाने वाले फैसले लेते समय उनके धार्मिक, राजनीतिक तथा सामाजिक नेताओं के साथ चर्चा की कमी भी एक कारण बनती है, जिसका उदाहरण वीर बाल दिवस है। यह एक बहुत बड़ा फैसला था और सभी सिखों की मांग थी मगर चर्चा की कमी के कारण केवल नाम की सहमति न होने के कारण इस निर्णय का अधिक प्रभाव नहीं पड़ सका। अभी-अभी सुप्रीम कोर्ट द्वारा भेजे गए नामों में से हाईकोर्ट में 2 सिख जजों की नियुक्ति को स्वीकृति न देने से भी सिखों में भाजपा के लिए संदेह बढ़ा है। प्रधानमंत्री द्वारा सिखों की मांगें जानने के लिए कई बार सिख नेताओं के साथ बैठकें भी की गईं परन्तु उनका भी कोई खास लाभ नहीं मिल सका क्योंकि इन बैठकों में सही प्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया गया और न ही उनके द्वारा सिखों की असल मांगें प्रधानमंत्री के सामने रखी गईं। धार्मिक झगड़े निपटाने के लिए पंजाब पुलिस को विशेष ट्रेनिंग की जरूरत = कपूरथला जिले में सुल्तानपुर लोधी के एक गुरुद्वारा श्री अकाल बुंगा पर कब्जे के लिए निहंग सिखों के ग्रुपों में चल रहे झगड़े के बीच पुलिस कार्रवाई के दौरान एक होमगार्ड की मौत की खबर ने पंजाब पुलिस की कारगुजारी के तरीकों पर एक प्रश्नचिन्ह लगा दिया। इस घटना के बाद यह प्रश्न भी उठ रहा है कि पुलिस को धार्मिक झगड़ों से निपटने के लिए किसी विशेष किस्म की ट्रेनिंग की जरूरत है। पुलिस के पास मंगलवार से इस घटना की जानकारी थी तथा बुधवार की रात को पुलिस ने इस स्थान पर घेराबंदी कर ली थी। यह समझ से बाहर है कि वीरवार तड़के ऐसा क्या हुआ कि पुलिस को अचानक यह स्थान निहंग सिखों के एक ग्रुप से खाली करवाने की कार्रवाई करनी पड़ी और नौबत आंसू गैस से लेकर गोलियां चलने तक पहुंच गई। इससे पहले भी पुलिस अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के मौके सही फैसला नहीं ले सकी थी। जब अमृतपाल सिंह अपने घर में था तो पुलिस ने उसे घर से गिरफ्तार करने की बजाय दिन-दिहाड़े सड़क पर गिरफ्तार करने के लिए नाकेबंदी की। मगर वह पुलिस के सामने ही गायब हो गया था।

शांति-दूत खोजता पश्चिम एशिया

अगर अमन-चैन की जरूरत दोनों तरफ महसूस की जा रही थी, तो गाजा में हमने जो तबाही देखी, वह महज अप्रिय सच्चाई थी। इजरायल-फलस्तीन से आ रही तस्वीरों के बाद अब दुनिया को जल्द ही इस सवाल का जवाब भी खोजना होगा कि संघर्ष-विराम के बाद आखिर क्या? युद्ध-विराम के तीसरे दिन (26 नवंबर) जब प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अचानक इजरायली सैनिकों के बीच गाजा पहुंचे, तो उन्होंने उनसे (और वहां मौजूद सभी से) यही कहा कि हम अंत तक, यानी जब तक जीत नहीं मिल जाती, इसे जारी रखेंगे। अपनी बात आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, इस युद्ध में हमारे तीन लक्ष्य हैं- हमास को खत्म करना, अपने सभी बंधकों को वापस ले जाना और यह सुनिश्चित करना कि गाजा फिर से इजरायल के लिए खतरा न बने। नेतन्याहू ने यह भी दावा किया कि इजरायल के पास अपने लक्ष्यों को पाने के लिए जरूरी ताकत, इच्छाशक्ति और संकल्प है।

रिपोर्ट कहती हैं, इजरायल की योजना गाजा पट्टी के 20 लाख से अधिक फलस्तीनियों को दक्षिण में स्थित मिस्र के सिनाई सूबे में धकेलकर या मिस्र के बिल्कुल करीब, पर गाजा के भीतर ही समुद्र किनारे कुछ वर्गमील क्षेत्र में समेटकर गाजा पट्टी से भविष्य में आने वाले खतरे को खत्म करना है। उल्लेखनीय है, गाजा पट्टी वह इलाका है, जो करीब 140 वर्गमील क्षेत्र में फैला है और हमास के नियंत्रण में है। जाहिर है, यह जातीय नरसंहार और बंदी शिविरों के निर्माण करने जैसा होगा, पर क्या दुनिया इसे होने दे सकती है? निस्संदेह, 27 अक्तूबर को फ्रांस सहित 120 देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट डाले, जिसमें इजरायल से उत्तरी गाजा पर अपने हमले रोकने को कहा गया था। मगर यदि नेतन्याहू 90 प्रतिशत या पूरी तरह से गाजा को खाली करने का आदेश देते हैं, तो मिस्र या अन्य अरब देश, ईरान या तुर्की, या संयुक्त राष्ट्र अथवा ब्रिक्स या दुनिया की अन्य कोई ताकत क्या भौतिक रूप से इसमें दखल देगी? इन सभी ने 7 अक्तूबर की घटना पर इजरायल की प्रतिक्रिया (युद्ध) और उसकी प्रकृति की निंदा की थी। इस सवाल का जवाब हम नहीं जानते, लेकिन कुछ देशों पर वाकई हस्तक्षेप का तेज दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा, हमें इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि कुछ मामलों में साल 2023 का अंत उन मौकों से अलग हो सकता है, जब दुनिया चुपचाप फलस्तीनियों को अपने ही घर व जमीन से जबरन भगाने का उपक्रम देखती रही है। पहला कारण, फलस्तीनियों को याद होगा कि 7 अक्तूबर को उन्होंने इजरायली प्रतिबंधों से ऊपर उठने की इच्छाशक्ति और क्षमता दिखाई, हालांकि उस दिन उन्होंने बड़ी बर्बरता का प्रदर्शन किया था। दूसरा, अगर फलस्तीनियों के साथ एक बार फिर समान व्यवहार किया जाता है, और दुनिया उनको इंसान नहीं, बल्कि जानवर या उससे भी बदतर समझती है, तो उनमें नाराजगी काफी बढ़ जाएगी, और भविष्य में फिर किसी ऐसे मौकों पर गंभीर प्रतिक्रिया सामने आ सकती है। तीसरा, यह उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है कि इजरायल और पश्चिमी दुनिया, दोनों की आबादी में अब ऐसा मजबूत वर्ग है, जो फलस्तीन की एक सुरक्षित और सम्मानजनक मातृभूमि की जरूरत को शिद्दत से समझता है। फलस्तीनी अधिकारों के लिए यूरोप और अमेरिका की सड़कों पर बड़ी संख्या में विभिन्न धर्मों व नस्लों के लोगों का प्रदर्शन अब आसानी से भुलाया नहीं जा सकता। अलबत्ता, उनकी संख्या बढ़ ही सकती है। और, यही बात संभवतः उन कई इजरायलियों के लिए भी कही जा सकती है, जो अब फलस्तीनियों के स्वतंत्र राष्ट्र के अधिकार को स्वीकार करने लगे हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5076

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5075

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5076

संकेत: बाएं से दाएं

1. 30 मई 1987 को इसे भारत के राज्य का दर्जा मिला यह भारत का 26 वां राज्य बना (2)
3. 30 मई 1981 को हमारे देश के इस पड़ोसी राष्ट्र के राष्ट्रपति की उनके 8 सहयोगियों के साथ हत्या की गई (4)
6. विवाह के समय वधू का वर को अंगीकार करना (3)
8. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
9. [illegible] (3)
10. [illegible] आदि में इस्तेमाल होते हैं (2)
11. मुस्लिमों की ईद प्रार्थना जो [illegible] होती है (3)
14. [illegible] फिल्म जिसमें सुनील दत्त, राजेंद्र कुमार थे (6)
17. [illegible], किशोरी (2)
18. [illegible] अमेरिका का एक देश जिसकी राजधानी [illegible] है (3)
20. जल की बूंद, फुहार (3)
21. हिंदी व्याकरण में अन्य पुरुष (2)
22. नदी का अपभ्रंश (3)

ऊपर से नीचे

1. श्री वृंदावन का एक पर्वत के बारे में ऐसी प्रसिद्धि है कि एक बार बहुत अधिक वर्षा होने पर अपने भक्तों के रक्षार्थ श्रीकृष्ण ने इसे कनिष्ठिका उंगली पर उठाया था (4)
2. सप्ताह का दिन, प्रहार करने की क्रिया (2)
3. इस वाद्य का आविष्कार [illegible] ने किया था (3)
4. ग्राम, गांव, ग्राम क्षेत्र (3)
7. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित कर लिया गया हो (4)
12. मुकदमा, झगड़ा, मामला, घटना (3)
13. अविचल, जो हिल न सके (3)
15. समुद्र, रत्नाकर (4)
16. [illegible], पर्यटन [illegible], घुमंतू (4)
17. भारत के प्रथम मुगल सम्राट (3)
19. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5075 का हल

ने	पा	न	ग	र		प	ना
क	ल	म	ल		भा	र	त
नी		क	ल	र		पा	
य	म		फ	त	ह	ना	मा
त	न	ख्वा	ह		ई		या
	गी		मी	जा	न		
सा	ह	स		पा		श	म
म	न	ही	म	न		ना	म

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

लोस चुनाव में कांग्रेस को खतरा...!

विस चुनाव परिणाम से तनाव में कांग्रेस

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विस चुनाव के परिणाम के बाद अब आने वाले लोस चुनाव में संसदीय सीट जीतना कांग्रेस के लिए बड़ा चुनौती बन गया है। यहां से कांग्रेस ने एक मात्र सीट मंदसौर पर ही विजयी पताका फहराई। जो कांग्रेस नहीं जीती, यहां से कांग्रेसी प्रत्याशी जीता हुआ कहा जा सकता है। विस चुनाव में संसदीय क्षेत्र की बात करें तो भाजपा 1.76 लाख मतों से जीती है। इस जीत में लाडली बहना योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन लोस चुनाव में खुद नरेंद्र मोदी का चेहरा सभी जगह से लड़ेगा। ऐसी स्थिति में कुछ माह बाद होने वाले लोस निर्वाचन में क्या होगा, यह प्रश्न कांग्रेस की चिंता का सबब बन गया है।

विधानसभा चुनाव में इस बार मंदसौर पर प्रदेश की नजर थी। यहां की सुवासरा विस सीट से ही कांग्रेस सरकार का तख्ता पलट माना जाता है। वैसे कांग्रेस मंदसौर में किसी विशेष मुद्दे को लेकर नहीं लड़ी। सिर्फ कांग्रेस के घोषणा पत्र के सहारे मैदान में उतरी। इससे बात नहीं बनी। संसदीय क्षेत्र की आठ में से सात सीटें भाजपा ने फिर से जीत कर अपना प्रभुत्व कायम रखा। एक मात्र सीट मंदसौर को बचाने में भाजपा नाकामयाब रही। यह स्थिति पार्टी नेतृत्व के साथ ही राजनीति के पंडितों को चौंका रही है। इसका विशे:षण तो हो ही रहा है, किन्तु साथ यह चिन्ता भी सता रही है कि कुछ महिनों बाद होने वाले लोकसभा चुनाव में मंदसौर सीट जीतने की चुनौती से कैसे निपटा जाएगा। यदि इसी माहौल में लोस चुनाव हो और इसी मूड से मतदाता अपना वोट डालें तो लोस में भी यहां कांग्रेस को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि लोस चुनाव में उम्मीदवार नये होंगे, मुद्दे भी अलग होंगे और मतदाता भी सीएम की जगह पीएम और विधायक की जगह सांसद चुनने के लिए वोट करेंगे। फिर भी राजनीति के पंडितों का मानना है कि विस चुनाव के परिणामों से यदि कांग्रेस सबक नहीं लेती है तो उसे इसका खामियाजा लोकसभा चुनाव में उठाना पड़ सकता है।

श्री प्रेम प्रकाश आश्रम का वार्षिक महोत्सव सांई टेऊँराम तुहिंजो झण्डो झूले...

मनुष्य जन्म श्रेष्ठ एवं दुलर्भ है-संत शंभूलाल

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सिन्धी हिन्दू समाज की प्रमुख धर्मपीठ आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊँरामजी महाराज के मंदसौर शाखा श्री प्रेमप्रकाश आश्रम मंदसौर का 15वां वार्षिक महोत्सव 3 दिसम्बर को पंचम पिठाध्वेश्वर की आज्ञा एवं आशीर्वाद से संत श्री शंभूलाल प्रेमप्रकाशी के पावन सानिध्य में हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस आशय की जानकारी श्री प्रेमप्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरूषोत्तम शिवानी ने देते हुए बतलाया कि रविवार 3 तारीख को सुबह इन्द्रदेव की कृपा से अत्यन्त ही गुलाबी एवं सुहाने ठंडे खुशनुमा वातावरण में संतश्री शंभूलाल का आगमन पर आश्रम के मेनगेट बैण्डबाजों के साथ शोभायात्रा के साथ आश्रम में मंगल प्रवेश किया। आरंभ में संतश्री शंभूलाल ने भगवान श्री लक्ष्मीनारायण, भगवान श्री झूलेलाल, आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊँरामजी महाराज एवं सतगुरूओं के विग्रहों की मूर्ति पूजा कर पोषाक पहरात किया। तत्पश्चात् मालवांचल के सुप्रसिद्ध पं. उमेश जोशी के आचार्यत्व एवं पं. विशाल जोशी द्वारा प्रांरभ हवन, यज्ञ की पूर्णाहूति संत श्री शंभुलाल ने वैदिक एवं सतगुरूओं के मंत्रो उच्चारण के उद्घोष के साथ 15वें वार्षिक महोत्सव एवं संगत के सुख समृद्धि के आहूति के साथ सम्पन्न किया। हवन, यज्ञ में दिव्या-नारायण शिवानी, द्रोपती-देवीदास प्रधनानी, रेखा-हरिश उत्तवानी, जजमान ने सम्पन्न करवाया।

शिवानी ने बताया कि इस पावन अवसर पर साई टेउराम तुहिनजो झंडो झूले..... हम गीत सनातन गाते है, झण्डा धर्म झूलाते है ..... की मधुर भजनों पर श्रद्धालु के उद्घोष के साथ संत श्री शंभुलाल ने सनातन धर्म की प्रवर्तक श्री प्रेमप्रकाश ध्वजा वंदन कर पूजा अर्चना के साथ श्री प्रेमप्रकाश आश्रम पर

फहराकर 15वें वार्षिक महोत्सव का शंखनाद किया। ध्वजा पूजा प्रीतम खेमानी एवं हरिश उत्तवानी ने सम्पन्न करवाई। सायंकालीन सत्संग का आरंभ पंथ के पंच पिठाधीश्वर गादीनशीन पूज्य श्री गुरू महाराज स्वामी भगतप्रकाशजी ने श्री अमरापुर दरबार के यूट्यूब चैनल पर इंटरनेट के माध्यम से सीधा प्रसारण टीवी पर अमृतमयी वचनों से 15वें वार्षिक उत्सव की बधाई दी एवं सुख समृद्धि अमन चैन का पल्लव पाकर आशीर्वाद प्रदान किया। शिवानी ने बताया कि संतश्री ने सोमवार 4 दिसम्बर को अमृत वेला में सुबह पिपलियामंडी स्थित राजकुमार महादेवमल हरजानी के निवास पर सैकडों की तादाद में संगत को दर्शन एवं सत्संग प्रवचनों की वर्षा कर कृतार्थ किया। कार्यक्रम में नन्दू आडवानी, दृष्टानंद नैनवानी, राम कोटवानी, वासुदेव सेवानी, प्रीतम खैमानी, सुरेश बाबानी, भगवान एवं गिरीश आसवानी (दुबई), नारायण शिवानी, किशन एवं मनोहर लालवानी, मोहनदास एवं नरेश फतनानी, हीरानंद लालवानी, डॉ. सुरेश पमनानी, हरिश उत्तवानी, दयाराम जैसवानी, सुंदरदास आसवानी, नरेश कोटवानी, दिनेश रामचंदानी, दिनेश सेवानी, देवीदास प्रदनानी, राजकुमार लालवानी, चंदीराम चंदानी, बम कोठारी, मेघराज कोठारी आदि ने शिरकत कर आरती कर संतश्री का आशीर्वाद प्रदान किया। आभार प्रदर्शन महिला मण्डली की प्रमुख श्रीमती पुष्पा पमनानी, नन्दू आडवानी ने प्रकट किया। अंत में संतश्रीने पल्लव पाकर कार्यक्रम समाप्ति उपरांत प्रसादी भण्डारा, सिंधी समाज एवं सनातन धर्मियों ने ग्रहण किया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर अधिकाधिक सहयोग राशि जमा करवाए-जैन

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिकों के कल्याण के लिए आमजनों को प्रेरित कर, अधिकाधिक सहयोग राशि सैनिक कल्याण कोष में जमा करवाये। साथ ही जमा करवाई गई राशि की नामज़द सूची कलेक्टोरेट में प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला अधिकारियों को बैठक में दिए। बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, सुश्री प्रीति संघवी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, सभी एसडीएम एंव जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने कहा, कि सैनिकों के कल्याण के लिए सहयोग राशि जमा करने के प्रति सभी वर्गो में उत्साह है। जिला अधिकारी प्रेरित कर, अधिकाधिक राशि सैनिक कल्याण कोष में जमा करवाये। कलेक्टंर ने विभागवार अब तक जमा संग्रहित राशि की समीक्षा की और निर्देश दिए कि 6 दिसम्ब र 2023 तक राशि सैनिक कल्यारण के लिए जमा करवाकर सूची उपलब्ध करवायें। बैठक में बताया गया, कि नीमच जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री श्याम गर्जर द्वारा पॉच हजार रूपये, जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री राहुल जैन मालव दर्शन नीमच द्वारा 11 हजार रूपये, की राशि सैनिक कल्याण के लिए जमा करवाई है। कलेक्टर ने अन्य सामाजिक संगठनों से भी राशि जमा करवाने की अपील की है।

पीजी कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस मनाया

पीआरडी कैंप हरिद्धार से लौटी स्वयंसेविका प्रिया माली को सम्मानित किया

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया कि पी.जी. कॉलेज मंदसौर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर स्वयंसेवक प्रिया माली, मधुबाला एवं अर्पित परमार को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों एंव उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।

एनएसएस इकाई की स्वयंसेविका प्रिया माली उत्तराखंड में आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर में शामिल हुई। यह शिविर युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊद्वारा 21 से 29 नवंबर तक देव संस्कृति विश्वविद्यालय उत्तराखंड में आयोजित किया गया। शिविर में प्रिया माली ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों व परेड में विक्रम विश्वविद्यालय व पी.जी. कॉलेज मंदसौर

का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. के. आर. सूर्यवंशी ने बताया कि पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में मध्य क्षेत्र के 6 राज्यों के 200 स्वयंसेवकों द्वारा सहभागिता की गई। इसमें मध्य प्रदेश से 40 स्वयंसेवकों को सहभागिता करने का अवसर मिला। दस दिवसीय शिविर में शारीरिक क्षमता, परेड कौशल, सांस्कृतिक गतिविधियों में नृत्य, गायन, वादन, अभिनय आदि गतिविधियों के आधार पर श्रेष्ठ 40 छात्रों का चयन आगामी गणतंत्र दिवस परेड शिविर कर्तव्य पथ नई दिल्ली के लिए किया जाएगा। साथ ही विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन एवं पी.जी. कॉलेज मंदसौर का प्रतिनिधित्व करने हेतु एन.एस.एस. स्वयंसेवक अर्पित परमार का चयन एडवेंचर कैंप हिमाचल प्रदेश एवं एनएसएस स्वयंसेविका मधुबाला का राष्ट्रीय एकता शिविर (एनआईसी) केरल के लिए हुआ। इन तीनों स्वयं सेवकों को अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. एल. एन. शर्मा, डॉ. डी.सी. गुप्ता, जिला संगठक डॉ. के.आर. सूर्यवंशी, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनिल कुमार आर्य, डॉ. गोरा मुवेल तथा प्रो. संजय पंवार द्वारा पुष्पमाला एवं शील्ड से सम्मानित किया गया तथा इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की तथा हर्षव्यक्त किया।

जनपद मनासा ने सैनिक कल्याण के लिए जमा की पांच लाख रूपये की राशि

मनासा, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में सैनिकों के कल्याण के लिए सहयोग राशि जमा करने के प्रति अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जनपद पंचायत मनासा क्षेत्र की 10 ग्राम पंचायतों द्वारा जमा की गई 10-10 हजार रूपये कुल एक लाख रूपये की राशि की सूची उपयंत्री श्री मौसम मेडावरिया एवं श्री राजेश व्या स ने कलेक्टलर श्री दिनेश जैन को भेंट की। जनपद सीईओ श्री अरविंद डामोर ने भी जनपद पंचायत की ओर से पॉच लाख रूपये की राशि सैनिक कल्य्ण कोष में जमा करवा कर सूची कलेक्टचर श्री दिनेश जैन को भेंट की है। इस मौकेपर एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ,एसडीएम श्री पवन बारिया व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जनपद मनासा की ग्राम पंचायत भाटखेडी, खेडली, सोनडी, भगोरी, भेरपुरा, कंजार्ड, चौकडी, वनडा, राजपुरा, एवं दातोली द्वारा 10-10 हजार रूपये की राशि सैनिक कल्याारण कोष में उपयंत्री श्री मौसम मेडावरिया के मार्गदर्शन में जमा की गई है।

पल्स पोलियों अभियान की आवश्यक तैयारी समय पर पूर्ण करें-कलेक्टर

पल्स पोलियो अभियान एवं जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में पल्स पोलियो अभियान एवं जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि पल?स पोलियों अभियान के आवश?यक तैयारियां समय पर पूर्ण करें। 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 10 दिसंबर के दिन अनिवार्य रूप से सभी बच्चों को दवा पिलाए। कोई भी बच्चा ना छूटे। इस बात का सर्वे भी करें इसके साथ ही बच्चों का नाम उनके माता-पिता के मोबाइल नंबर की सूची भी प्रेषित करें। जिससे क्रॉस वेरिफिकेशन किया जा सके। छोटे बच्चों में बढ़ रहे वायरल संक्रमण को ध्यान में रखते हुए फीवर क्लिनिक को भी सक्रिय किया जाए। बच्चों के स्वास्थ्य का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, महिला बाल विकास अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग से जुड़े कर्मचारी मौजूद थे।

नेशनल लोक अदालत 9 को

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सभी जिलों में 9 दिसम्बर (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत में चिन्हित किये गये मुकदमा पूर्व और न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों को निराकरण के लिये रखा जायेगा। लोक अदालत में राशि वसूली, श्रम और रोजगार संबंधी विवाद, बिजली, पानी के बिलों सहित अन्य बिल भुगतान, मेंटेनेंस सहित अन्य प्रकरणों को लोक अदालत में रखा जायेगा।

विश्व मृदा दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में सीएम राइज विद्यालय गुर्जरबर्डिया के विद्यार्थियों ने भाग लिया

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सीएम.राइज विद्यालय गुर्जरबर्डिया के विद्यार्थियों ने 5 दिसंबर को उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में आयोजित विश्व मृदा दिवस की संगोष्ठी में भाग लिया। प्रतिवर्ष 5 दिसंबर को विश्व मृदा दिवस के रूप मे मनाया जाता है, इस दिवस का मुख्य उद्देश्य मृदा के महत्व को उजागर करना है। पृथ्वी के जीवन को बनाए रखने के लिए मिट्टी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे मे विद्यार्थियों को जानकारी दी गई।

संगोष्ठी में प्रमुख मार्गदर्शक हिमाचल प्रदेश पालमपुर के कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप

कुमार द्वारा बताया गया कि मृदा का हमारे जीवन में कितना योगदान है, उनके द्वारा ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग के बारे में एवं मृदा के मानक व गुणवत्ता के बारे में विस्तार से विद्यार्थीयों को बताया गया। विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक सेमिनार में दी गई मृदा संरक्षण की जानकारी को एवं जलजीवन एक स्रोत के बारे मे विस्तार से सुना। मृदा संरक्षण और मृदा के लिए आवश्यक तत्वों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी प्राप्त हुई। सीएम. राइज विद्यालय के विद्यार्थियों की ग्रुप लीडर फरहा अंसारी शिक्षिका ने बताया कि विश्व मृदा दिवस पर आयोजित इस सेमिनार मे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कल सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से वीसी पर करेंगे चर्चा

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन गुरूवार, 7 दिसम्बर को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी 52 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा करेंगे। श्री राजन विधानसभा निर्वाचन 2023 के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर इन अधिकारियों द्वारा अपने-अपने जिलों में मतदान प्रतिशत बढाने के लिये किये गये नवाचारों, बेस्ट प्रेक्टिसेस, स्वीप गतिविधियों पर चर्चा के अलावा इन अधिकारियों से उनके अनुभव भी सुनेंगे, जिससे नवाचारों एवं अच्छे अनुभवों का लोकसभा निर्वाचन 2024 के संपादन के लिये बेहतर उपयोग किया जा सके।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये 3 दिसम्बर को मतगणना की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न होने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी का हृदय से आभार ज्ञापित किया है। श्री राजन ने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों और सक्रिय सहयोग से ही निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया निर्बाध एवं शांतिपूर्ण रूप से हो सकी।

छात्र-छात्राओं को दी एचआईवी/एड्स की जानकारी

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व एड दिवस को पखवाडे के रूप में मनाया जा रहा है। जिला एड रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई द्वारा कालेज स्तर पर छात्र- छात्राओं को टॉक ऑने एच.आई.वी./ एडपर जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में शासकीय एवं मिरेकल नर्सिग कालेज में युवा छात्र एवं छात्राओं के बीच एच.आई.वी./एडपर तकनीकी सत्र, पोस्टयर एवं प्रश्नोयत्तर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें एच.आई.वी./ एडक्या होता है, इसके संक्रमण के चार कारण कौन कौन से है, बिन्डो पीरियड क्या होता है, इसके लक्षण क्या है, इस से जुडी भ्रतियॉ क्या है, उपचार क्या है। स्वयं केसै बचे। आप सभी अस्पताल में प्रेक्टिस के लिए जाते हो यदि कोई निडील पिंक हो जाये या कट लग जाये तो क्या करना चाहिए। देश में 86 प्रतिशत एच.आई.वी. संक्रमित केस असुरिक्षत यौन सम्बंधो के एक प्रकार से मिले है। इस प्रकार के व्यवहार

से दूर रहा जाये। एच.आई.वी. संक्रमित मॉ से होने वाले शिशु के संक्रमण को रोकने के क्या प्रयास किये जा रहे है। युवाओं की एच.आई.वी./ एडको रोकने में क्या भूमिका हो सकती है इत्यादी जानकारी जिला पर्यवेक्षक राजेश रजक एवं काउंसलर दीप्ति साहु ने दी। बच्चों से प्रश्नोत्तरी की गई। जिन्होंने सही उत्तर दिये उन्हें पुरूस्कार दिया गया। जिन छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्हे भी पुरूस्कार दिये गये। उपरोक्त गतिविधियॉ डॉ. जी.एस.चौहान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं डॉ. निशांत शर्मा नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित की गई है। इस अवसर पर श्रीमती बी.मसीह प्राचार्य, श्री प्रकाश बनोदा प्रशासनिक अधिकारी, ट्युटर श्रीमती रीता सेवनियॉ, श्रीमती आरती रामावत, श्रीमती रेखा सोनी, श्रीमती सुचित्रा परमार, श्रीमती सविता शर्मा, श्री विजय चावडा, श्रीमती संगीता एवं नर्सिग स्टुडेन्ट एवं स्टाफ उपस्थित था। आभार दोनो कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने बताया कि आचार संहिता समाप्त हो चुकि हैं। सभी विभाग पुन: अपने कार्य को कुशलता पुर्वक शुरू करें। बैठक में कलेक्टर ने खाद के लिये डीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि पर्याप्त मात्रा में खाद का स्टॉक रखें एवं समय-समय पर रिपोर्ट भेजे। जिला उद्योग विभाग अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय योजनाओं में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए कार्यवाही प्रांरभ करें। जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जिले की सभी राशन दुकान समय पर संचालित हो अगर कोई दुकान बंद है तो उसको प्रारंभ करने की कार्यवाही करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, डीएफओ, अपर कलेक्टर विशाल सिंह चौहान एवं जिले के सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

परिवार संस्था की जीत...

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इंकार कर उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक निर्णय दिया हे। न्यायालय का यह निर्णय भारतीय संस्कृति, भारतीय परंपराओ और भारतीयता की जीत हे। न्यायालय का निर्णय जन भावनाओ की पुष्टि भी करता हे साथ ही एक सख्त संदेश उन विदेशी ताकतो को भी देता हे जो भारत का सामाजिक चरित्र बिगाडने का षड्यंत्र रच रहे हे। यही नही हमारे धार्मिक व सामाजिक संगठन भी सराहना के पात्र हे क्योंकि इन सभी ने संयुक्त रूप से भारतीय वैवाहिक व सामाजिक व्यवस्था को बचाने के लिए न्यायिक लडाई लडी और उसमे विजयी रहे। भारतीय समाज में समलैंगिकता को विवाह परिवार व्यवस्था का दर्जा देना एक सामान्य बात नही हे वरन यह एक विकृति को संरक्षण देने जैसा हे। भारतीय परंपरा में विवाह एक धार्मिक संस्कार हे। यह परिवार और समाज की व्यवस्था को तोडने वाले लोग कोन हे ? समलैंगिकता को मान्यता देने वाले कानून की मांग करने वाले इन पश्चिमी देशो की विकृत मानसिकता के समर्थको को मनोरोगी ही मान सकते हे। कोई भी सभ्य व संवेदनशील समाज इस सामाजिक विकृति को स्वीकार नही कर सकता। किसी भी धर्म एवम वर्ग में विवाह को एक मर्यादा और अनुशासन के रूप में स्वीकार किया गया हे। भारतीय समाज में विवाह केवल यौन सुख भोगने का अवसर नही हे। विवाह द्वारा संतति निर्माण करने, उनका उचित पोषण करने, वंश परंपरा को आगे बडाने और अपनी संतति को समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनाने जैसे जिम्मेदारी भरे कार्य भी किए जाते हे। यही धर्म सम्मत हे एवम यही न्याय सम्मत भी हे। विवाह के माध्यम से अपने परिवार व संस्कृति को संरक्षित करने के लिए समाज ने व्यवस्था की हे। ऐसे में प्रश्न यह हे की क्या समलैंगिक विवाह के माध्यम से विवाह का उद्देश्य पूरा हो सकता हे ? यदि नही तो फिर विवाह की अवधारणा को विकृत करने का कुत्सित प्रयास क्यों ? ऐसे लोग जो इसका समर्थन कर रहे हे उन्हे उस भारतीय समाज से मान्यता क्यों चाहिए जिसके नियमो के विरुद्ध यह कदम उठाया गया हे। पश्चिमी देशो की आधुनिक सोच समझ से प्रभावित इस प्रकार के मामले देश पर थोपना भारतीय समाज व्यवस्था को तोडने का ही काम करेंगे। भारतीय समाज में विवाह का अर्थ दो परिवारो के बीच सामाजिक, धार्मिक और संस्कारो का गठबंधन होता हे। पश्चिमी विकृति समलैंगिकता को भारत में विवाह परिवार का दर्जा देने की मांग पूरी तरह से अनुचित ही नही बल्कि सृष्टि संतुलन के सभी नियमो के विपरीत भी हे। भारतीय संस्कृति में इस प्रकार के अप्राकृतिक संबंध अमान्य हे। इस बार भारतीय समाज के शत्रुओ का निशाना वह परिवार हे जिसने सदा ही समाज की रक्षा की हे। इस बार वार हे परिवार नामक संस्था पर और उस बहाने पूरी व्यवस्था पर क्योंकि एक सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की रीढ हे। इतिहास का अध्ययन करेंगे तो हम देखेंगे की कैसे भारत की संयुक्त परिवार की परंपरा ने कई बुराइयो और विकृति से हमे बचाया हे। विदेशी शक्तियों द्वारा विवाह के नाम पर जो षड्यंत्र रचा गया हे इसका पुरजोर प्रतिकार समाज को करना चाहिए।

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

सैनिकों के कल्याण के लिए आर्थिक सहयोग के प्रति अपार उत्साह

संगीनी ग्रेटर ने कलेक्टर को भेंट की 11 हजार रूपये की सहयोग राशि

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिको एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिए कलेक्टर श्री दिनेश जैन के आव्हान पर जिले के नागरिको, अधिकारी-कर्मचारियों एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनो, सामाजिक संगठनों, व्यवसाईयों में आर्थिक सहयोग के प्रति अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जैन सोश्यल ग्रुप संगीनी ग्रेटर नीमच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी सैनिक कल्याण के लिए अपनी ओर से 11 हजार रूपये की राशि एकत्रित कर, सैनिको के कल्याण के लिए कलेक्टर श्री दिनेश जैन को भेंट की है। इस मौके पर एडीएम सुश्री नेहा मीना, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना व

अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जैन सोश्यल ग्रुप संगीनी ग्रेटर नीमच की कॉर्डिनेटर श्रीमती रानीराणा, अध्योक्ष श्रीमती तारा वया, सचिव श्रीमती गुणबाला नादेंचा, कोषाध्यक्ष श्रीमती राखी कोचेट्टा, श्रीमती मंजू चौरडिया, श्रीमती ऋतु चौरडिया, श्रीमती अलका बाफना, श्रीमती शकुंतला मारू, श्रीमती सीमा पामेचा, श्रीमती अनिता जैन, आदि महिलाओं ने कलेक्टर श्री दिनेश जैन से भेंटकर, जैन सोश्यल ग्रुप नीमच संगीनी ग्रेटर की सभी महिला पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा संग्रहित की गई 11 हजार रूपये की राशि सैनिक कल्याारण कार्यो के लिए सैनिक कल्याण कोष में जमा करने के लिए कलेक्टर को भेंट की है।

सैनिक कल्याण के लिए जमा की पॉच लाख पांच सौ रूपये की राशि-

जिले में सैनिकों के कल्याण के लिए सहयोग राशि जमा करने के प्रति अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जनपद पंचायत नीमच व्दारा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों से संग्रहित पांच लाख पांच सौ रूपये की राशि कलेक्टर श्री दिनेश जैन को भेंट की गई। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एसडीएम डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, भी उपस्थित थी। जनपद सीईओ राजेन्द्र पालनपुरे ने भी जनपद पंचायत नीमच की ओर से पॉच लाख पांच सौ रूपये की राशि सूची सहित सैनिक कल्याण कोष में जमा करवाने के लिए कलेक्टर दिनेश जैन को भेंट की है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	43	2110	2453
उडद	16	5600	8421
सोयाबीन	3800	4600	4870
गैहु	1665	2450	3140
चना	142	5150	5600
मसुर	59	5300	5950
धनिया	154	5002	7081
लहसुन	9000	10451	22751
मैथी	376	4705	6661
अलसी	922	5040	5253
सरसो	292	5076	5306
तारामीरा	2	4500	4790
इसबगोल	31	17511	20300
प्याज	2500	600	3600
कलोंजी	16	11699	16711
डॉलर	16	5600	12200
तिल्ली	3	10000	11941
मटरसुखी	11	2290	3560
असालीया	2	9700	9999

लाड़ली बहना योजना इतिहास में सामाजिक क्रांति के रूप में दर्ज होगी-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को प्रदान किए प्रशस्ति-पत्र

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाडली बहना योजना की चर्चा सभी ओर है, यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई है, इतिहास में यह सामाजिक क्रांति के रूप में दर्ज होगी। योजना ने महिलाओं का आत्मविश्वास-आत्मसम्मान बढाया है। महिलाओं के प्रति परिवारजन तथा समाज का व्यवहार एवं दृष्टिकोण बदला है। महिलाओं ने योजना का लाभ उठाकर अपने काम आरंभ किए हैं और वे आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर हुई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान लाडली बहना योजना के सुनियोजित क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को समत्व भवन में संबोधित किया और उन्हें प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किए। मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी तथा अधिकारी उपस्थित थे।

जीरो डिफेक्ट के साथ योजना का क्रियान्वयन, अधिकारी-कर्मचारियों की अद्भुत उपलब्धि:-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शासकीय अमले ने कम समय में बाधारहित रूप से इतनी बडी योजना का जीरो डिफेक्ट के साथ क्रियान्वयन कर क्रांति की है, यह अद्भुत उपलब्धि है। टीम मध्यप्रदेश के टीम वर्क की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। युद्ध स्तर पर कार्य कर मात्र 75 से 80 दिनों में 01 करोड 31 लाख बहनों को जोड़ना अधिकारी-कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कोई भी पात्र बहन योजना का लाभ लेने से वंचित नहीं रही, बिना शिकायतों का अंबार लगे योजना क्रियान्वित हुई, यह उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। लाडली बहना योजना, महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया का अगला कदम:-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया लाडली लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन से आरंभ हुई। हमने यह तय किया था कि प्रदेश में जन्म लेने वाली हर बेटी लखपति होगी। इस सोच से ही लाडली लक्ष्मी योजना आरंभ हुई, अब प्रदेश में 46 लाख लाडली लक्ष्मियां हैं। लाडली लक्ष्मी योजना और कन्या विवाह योजना से बेटी को बोझ मानने की सोच में बदलाव आया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उन्हें स्थानीय निकायों और सेवाओं में आरक्षण दिया गया। महिलाओं के नाम रजिस्ट्री में स्टाम्प शुल्क में छूट, बेटा-बेटी के जन्म से पहले और जन्म के बाद आर्थिक सहायता दी जाने वाली योजनाएं क्रियान्वित की गई। लाडली बहना योजना, महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया का अगला कदम है।

महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार और उनका सम्मान बढ़ाना योजना का उद्देश्य:-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय की महिलाओं को एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता वर्ष 2017 से आरंभ की गई थी। इस योजना की प्रभावशीलता के अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि आर्थिक सहायता से बच्चों के कुपोषण स्तर में सुधार हुआ है। परिणामस्वरूप यह विचार आया कि सभी जरूरतमंद महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने से उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और महिलाओं का सम्मान भी बढ़ेगा। बिना किसी जाति भेद के सभी बहनों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लाडली बहना योजना आरंभ की गई।

भाजपा के देवड़ा की सबसे बड़ी जीत व निर्दलीय उम्मीदवार जोकचन्द को मिले मतों ने सबको चौंकाया

पिपलियामंडी, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ विधानसभा चुनाव परिणाम ने सभी को चौंका दिया। भाजपा उम्मीदवार जगदीश देवडा ने संसदीय क्षेत्र सबसे बडी जीत दर्ज की तो निर्दलीय चुनाव लडे श्यामलाल जोकचन्द दूसरे स्थान पर रहे वहीं कांग्रेस उम्मीदवार परशुराम सिसोदिया तीसरे नम्बर पर रहते हुए बमुश्किल अपनी जमानत बचा पाए। संसदीय क्षेत्र में आजादी के बाद पहली बार निर्दलीय उम्मीवार के रुप में सर्वाधिक मत लाने में श्यामलाल जोकचन्द का नाम इतिहास में शामिल हो गया है।

गुटबाजी के चलते नही मिला टिकिट तो निर्दलीय लड़े:-उल्लेखनीय है कि पिछले 25 वर्षों से विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय रहकर किसानों व आमजन के हित में लडाई लड रहे श्यामलाल जोकचन्द ने इस बार कांग्रेस से टिकट मांगा था। लेकिन गुटबाजी के चलते कांग्रेस ने उन्हें टिकट नही देते हुए 2018 में 11872 वोटों से चुनाव हारे परशुराम सिसोदिया को ही पुन: टिकिट दे दिया। सर्वे में जोकचन्द का नाम प्रमुखता से था। टिकिट कटने से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोकचन्द को निर्दलीय चुनाव लडवाया। नतीजा यह रहा है कि जोकचन्द को विधानसभा क्षेत्र में मदताताओं ने काफी पसन्द किया और उनके पक्ष में मतदान किया, हालांकि वे चुनाव नही जीत पाए, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार से भी ज्यादा मत लाकर उनकी उपस्थिति ने सबको चौंका दिया। मंदसौर संसदीय क्षेत्र में आजादी के बाद हुए विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार जोकचन्द को सर्वाधिक 26.5 प्रतिशत मत मिले है। जोकचन्द को मिले मतों ने राजनैतिक दलों को भी चौंका दिया। कांग्रेस पार्टी जोकचन्द को टिकिट देती तो मुकाबला बराबरी का हो सकता था। टिकट नही मिलने के बाद मात्र 12 दिन की तैयारी में जोकचन्द यह चुनाव लडा, इस चुनाव में लगने वाला खर्च भी कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने वहन किया।

भाजपा के जगदीश देवडा की सबसे बड़ी जीत:-परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई मल्हारगढ विधानसभा सीट पर भाजपा के उम्मीदवार, वित्तमंत्री जगदीश देवडा की यह जीत सबसे बडी रही। जीत इतनी बडी होगी, इसकी किसी को भी उम्मीद नही थी। भाजपा व कांग्रेस के नेता भी 5 से 10 हजार के बीच हार-जीत होने का अनुमान लगा रहे थे। लेकिन 2 लाख 13 हजार 94 मतों की गणना में इस चुनाव में जगदीश देवडा को 115498 (86.91 प्रतिशत) मत लाकर सर्वाधित कतों से चुनाव जीते। वहीं निर्दलीय उम्मीदवार श्यामलाल जोकचन्द 56474 (26.5 प्रतिशत) मत लाकर दूसरे स्थान पर रहे और कांग्रेस उम्मीदवार परशुराम सिसोदिया 36163 (16.97) मत लाकर तीसरे स्थान पर रहते हुए बमुश्किल अपनी जमानत बचा पाए। श्यामलाल जोकचन्द अपने गांव काचरिया चन्द्रावत के पोलिंग 69 व 97 से सर्वाधिक वोट से चुनाव जीते। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार परशुराम सिसोदिया अपने गांव झावल में पोलिंग 268 पर चुनाव हार गए वहीं 269 पर चुनाव जीत पाए। इस चुनाव में बसपा उम्मीदवार नरेन्द्र मालवीय को 1209, निर्दलीय उम्मीदवार जिला पंचायत सदस्य बसन्तीलाल मालवीय को 1201 व लालचन्द मेघवाल को 819 मत मिले। इन उम्मीदवारों की तुलना में नोटा को इनसे भी ज्यादा 1730 मत मिले।

डिजिटल विज्ञापन नीति एवं पायरेसी उल्लंघन को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। डिजिटल विज्ञापन नीति को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होने सूचना और ओद्यौगिक मंत्रालय से प्रश्न करते हुए कहा कि सरकार ने अपनी विज्ञापन नीति एवं स्कंध, केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) को सशक्त बनाने के लिए एक डिजिटल विज्ञापन नीति को स्वीकृति दे दी है। इस नीति को तैयार करने के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं। यह नीति किस प्रकार से सीबीसी को ओवर द टॉप (ओटीटी) और वीडियो ऑन डिमांड के क्षेत्रों में एजेंसियों और संगठनों को सूचीबद्ध करने के लिए सशक्त बनाएगी और यह सरकार के लिए कैसे लाभकारी होगी। उन्होने कहा कि पायरेसी के कारण फिल्म उद्योग को प्रति वर्ष भारी नुकसान का सामना करना पड रहा है। सरकार ने पायरेसी के विरुद्ध शिकायतें प्राप्त करने और बिचौलियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से पायरेटेड सामग्री को हटाने का निर्देश देने के लिए नोडल अधिकारियों का एक संस्थागत तंत्र स्थापित किया है। सरकार द्वारा पायरेसी के मुद्दे से निपटने के लिए किए गए किए जा रहे।

प्रश्न के जवाब में सूचना और प्रसारण और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) भारत सरकार की स्कीमों, नीतियों और कार्यक्रमों के संबंध में सूचना के प्रसार के लिए जागरूकता अभियान चलाता है। ऐसे अभियानों की पहुंच बढाने और नागरिकों को उच्च परिशुद्धता के साथ संदर्भ- विशिष्ट और उपयोगकर्ता-विशिष्ट विज्ञापन देने के लिए डिजिटल विज्ञापन प्लेटफॉर्म की क्षमताओं का लाभ उठाने हेतु सरकार ने एक डिजिटल विज्ञापन नीति, 2023 को अनुमोदित किया है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्मों, पॉडकास्ट, इंटरनेट वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन को पैनलबद्ध आदि करने का प्रावधान है। पायरेसी के उल्लंघन को लेकर उन्होने बताया कि उद्योग के अनुमान के अनुसार, भारत में फिल्म उद्योग को इसकी सांपत्तिक सामग्री की पायरेसी के कारण हर साल लगभग 20,000 करोड रु. का नुकसान होता है। चलचित्र (संशोधन) अधिनियम, 2023 में फिल्म उद्योग को डिजिटल पायरेसी सहित उसकी सामग्री की पायरेसी से बचाने के लिए एक संस्थागत तंत्र का प्रावधान है। चलचित्र अधिनियम, 1952 में अंतर्विष्ट नई धारा 6कख के अनुसार, कोई भी व्यक्ति किसी भी ऐसी फिल्म, जिसे इस अधिनियम के अंतर्गत या उसके तहत बनाए गए नियम के अनुसार लाइसेंस प्रदान नहीं किया गया है, की उल्लंघनकारी प्रति को लाभार्जन हेतु एक प्रदर्शन स्थल पर जनता के सामने प्रदर्शन के लिए उपयोग या उपयोग करने को बढावा नहीं देगा। चलचित्र फिल्मों के मूल कॉपीराइट धारकों या उनके द्वारा अधिकृत व्यक्तियों और या किसी अन्य व्यक्ति से इंटरनेट पर फिल्मों की पायरेटेड उल्लंघनकारी प्रतियों के प्रदर्शन संबंधी शिकायतें प्राप्त करने और ऐसे लिंक तक पहुंच को अक्षम करने के लिए मध्यस्थों को अधिसूचना जारी करने के संबंध में सूचना और प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड में नोडल अधिकारियों का एक सस्थागत तंत्र भी स्थापित किया गया है। किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा शिकायत के मामले में जिसके पास कॉपीराइट नहीं है या कॉपीराइट धारक द्वारा अधिकृत नहीं है, नोडल अधिकारी द्वारा मामला दर मामला के आधार पर सुनवाई हेतु विचार किया जा सकता है।

हास्य कवि मुन्ना बैट्री स्टार स्टैंडअप कॉमेडी फेमेली वेलफेयर फेडरेशन के मेम्बर बने

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के जाने-माने हास्य कवि मुन्ना बैट्री को स्टार स्टैंडअप कॉमेडी फेमेली वेलफेयर फेडरेशन मुम्बई का मेम्बर बनाया गया है। इस संस्था के अध्यक्ष लाफ्टर चेलेंज-1 के चेम्पियन स्टैंडअप कॉमेडियन सुनील पाल है। हास्य कवि मुन्ना बैट्री ने बताया कि उक्त संस्था से देश भर के स्टैंडअप कॉमेडियन और कवि जुडे है। उक्त रजिस्टर्ड संस्था, स्टैंडअप कॉमेडियन और कवियों के समस्त हितों के लिए कार्य करती है। मुन्ना बैट्री इस संस्था के माध्यम से मंदसौर जिले सहित क्षेत्र के कॉमेडियन और कवियों को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय संस्था के सदस्य बनने पर हास्य कवि मुन्ना बैट्री को काव्य प्रेमियों एवं इष्टमित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की है।

बस में महिला यात्री के साथ अश्लील हरकत करने वाले बस चालक को तीन वर्ष का कारावास

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। डॉ. श्रीमती रेखा मरकाम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच ने महिला बस यात्री के साथ यात्रा के दौरान बुरी नियत से महिला यात्री का सीना दबाकर अश्लील हरकत करने वाले आरोपी मोहम्मद अय्युब कुरैशी पिता मो. इशाक कुरैशी, उम्र-60 वर्ष, निवासी-इंदौर को धारा 354 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष के कारावास व 10,000रू के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री पारस मित्तल द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 29.03.2018 को पीडिता अपनी बहन के साथ मुल्तानी सोना बस क्रमांक एमपी 41 पी 7111 से अजमेर से इंदौर जा रही थी। बस निम्बाहेडा से आगे नीमच की ओर ज्ञानोदय महाविद्यालय नीमच के पास पहुंची की दिनांक 29-30 मार्च 2018 की रात्री 2 बजे के लगभग पीडिता बस में अपनी बहन के साथ स्लीपर कोच सीट पर लेटी हुई थी और बस का द्वितीय चालक आरोपी बस की लॉबी में लेटा हुआ था।

पीडिता सो रही थी तभी अचानक उसे अभास हुआ की कोई उसके शरीर के साथ हरकत कर रहा हैं, इस पर उसकी नींद खुली तो उसने देखा की लॉबी में लटा हुआ आरोपी चालक बुरी नियत से पीडिता का सीना दबा रहा था, इस पर पीडिता एकदम चिल्लाई तो आरोपी डरकर लॉबी में भागा। पीडिता के चिल्लाने पर पीडिता की बहन एवं अन्य यात्री जाग गये और उन्होंने आरोपी को पकडकर उसका नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम मोहम्मद अय्युब कुरैशी पिता मो. इशाक कुरैशी, निवासी-आजाद नगर, इंदौर का होना बताया। पीडिता एवं अन्य यात्रियों द्वारा पुलिस को सूचना देने पर आरक्षी केंद्र नीमच केंट से पुलिस बल आरोपी बस चालक को पीडिता एवं बस सहित नीमच थाने पर लेकर आये, जहां पर पीडिता की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए शासन द्वारा इस प्रकरण को जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरण के रूप में चिन्हित किया गया। अभियोजन द्वारा माननीय न्यायालय नीमच के समक्ष विचारण के दौरान सभी महत्वपूर्ण साक्षीगण के बयान कराकर अभियुक्त के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 354 के तहत अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराकर घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया और निवेदन किया की बस चालक द्वारा यात्रा के दौरान महिला यात्री के साथ की गई इस प्रकार की अश्लील हरकत के लिए उसे अधिकतम दण्ड से दण्डित किया जावें, क्योंकि प्रतिदिन अनेकों महिला यात्री इस विश्वास के साथ यात्रा करती हैं कि बस की यात्रा उनके लिए सुरक्षित होगी, किंतू आरोपी ने इस प्रकार की आपराधिक घटना कर एक गंभीर अपराध किया हैं, जिससे सहमत होकर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को धारा 354 भारतीय दण्ड संहिता में दोषसिद्ध पाते हुए 3 वर्ष के कारावास एवं रूपये 10,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया। न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्री पारस मित्तल द्वारा की गई।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट जरूरी

नहीं होने पर कट सकता है अब चालान

मंदसौर, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। यदि आपने अप्रैल 2019 से पहले वाहन खरीदा और हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं है तो आपको 15 दिसंबर तक यह प्लेट अपने वाहन पर लगवाना जरूरी है नहीं तो आपका चालान कट सकता है।दरअसल सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर जिला परिवहन विभाग ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाहनों में जरूरी कर दी है। इसके लिए 15 दिसंबर तक की डेडलाइन तय की है। इस तारीख तक आपके पास जिस कंपनी का वाहन है उस डीलर के पास जाना होगा। वहां आवेदन करने पर आपके वाहन पर नंबर प्लेट लग जाएगी।

यदि वाहन अप्रैल 2019 से पहले खरीदा और हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं है तो जहां से वाहन खरीदा उस शोरूम पर जाना होगा और आवेदन करना होगा। डीलर के पास रजिस्ट्रेशन कार्ड, आधार कार्ड ले जाना होगा। यहां फीस जमा करानी होगी जो ऑनलाइन जमा होगी। आवेदन करने पर तीन से चार दिन में नंबर प्लेट लग जाएगी। वहीं ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है। वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। यहां नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर, डीलर का नाम सहित अन्य जानकारी डालने के बाद फीस का ऑप्शन आएगा। ऑनलाइन फीस जमा करानी होगी। इस पर आवेदन हो जाएगा और तीन से चार दिन में नंबर प्लेट लग जाएगी।

अप्रैल 2019 के बाद के वाहनों में तो डीलर ही हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाकर दे रहे हैं। इसके पहले के वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं है। इससे जरूरी किया है। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एक होलोग्राम स्टीकर होता है। इसे हाथ से नहीं बल्कि प्रेशर मशीन के जरिए लिखा जाता है। नए नियमों में दो पहिया और चार पहिया दोनों वाहनों के लिए हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट को अनिवार्य किया गया है। परिवहन विभाग के मुताबिक दो पहिया वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए लगभग 500 एवं चार पहिया वाहनों के लिए 800 से 1000 रुपए अनुमानित फीस चुकानी होगी। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट 15 दिसंबर तक लगवाना जरूरी : जिला परिवहन अधिकारी दीपक कुमार मांझी ने बताया कि अप्रैल 2019 के पहले। पंजीकृत समस्त दो पहिया व पहिया वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट 15 दिसंबर से पूर्व लगाना अनिवार्य है। निर्धारित समय के बाद हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बगैर कोई भी वाहन सडक पर संचालित होता मिला तो उसके विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी।

उधारी के रुपए मांगने पर विवाद

युवक पर चाकू से किया हमला, घायल बड़े अस्पताल में भर्ती

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी थाना क्षेत्र के रावण रुंडी शिव नगर में उधारी के रुपए मांगने की बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ गया कि दूसरे पक्ष ने उधारी के रुपए का तकाजा करने वाले युवक को फोन पर धमकी दी, वहीं मंगलवार को उक्त युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे नीमच के बड़े अस्पताल ने भर्ती किया गया है।

बडे अस्पताल में उपचारत गोविंद पिता किशनलाल रावत मीणा उम्र 26 वर्ष ने बताया कि उसने चार माह पूर्व रावण रुंडी निवासी पुष्पा बाई कुँवर को 1 हजार रु दिए थे। जिसके लिए सोमवार रात उसने पुष्पा बाई को फोन लगाया था। परंतु फोन पुष्पा बाई की बजाय उसके पुत्र बबलू ने उठाया और फोन उठाते ही बबलू ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद गोविंद द्वारा सिटी थाने पर फोन लगाकर उक्त घटना की जानकारी दी गई। मंगलवार को दोपहर में जब गोविंद अपने ही घर के बाहर गाय को पानी पिला रहा था, इसी दौरान बबलू ने शराब के नशे में मौके पर पहुंचकर गोविंद की पीठ पर चाकू से करीब तीन से चार वार कर दिए और मौके से फरार हो गया। जिसके बाद गोविंद को परिजनों द्वारा घायल अवस्था में बडे अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। मामले में पुलिस जांच जारी है।

लिव इन का मामला, पहले शराब पिलाई, फिर पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

उज्जैन, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। चिमनगंज थाने के सामने झोपडी में रहने वाली एक महिला की लिव इन में रहने वाले व्यक्ति ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। सोमवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया था। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। मृतका के साथ पहले आरोपित ने शराब पी थी।

इसके बाद लाठी से पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया था। आसपास के रहवासियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोपित ने महिला के शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी कर ली थी। महिला तीन साल से आरोपित के साथ लिव इन में रह रही थी। बता दें कि 40 वर्षीय मांगूबाई निवासी चिमनगंज थाने के सामने शुक्रवार को घर में मृत अवस्था में मिली थी। आसपास के रहवासियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी थी। महिला के पुत्र 17 वर्षीय लक्की पारदी निवासी खेडापति हनुमान ने पुलिस को बताया कि उसकी मां तीन साल से बापू बंजारा के साथ रह रही थी। मृतका के सिर, आंख, हाथ, पैर व सीने पर चोट के निशान मिले थे। बापू बंजारा ने शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली थी। पुलिस ने पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया था। मृतका के शरीर पर चोट के निशान मिले थे। पीएम रिपोर्ट में मारपीट से हत्या की बात सामने आई थी। इस पर पुलिस ने आरोपित बापू को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि दोनों ने पहले साथ बैठकर शराब पी थी। इसी दौरान विवाद होने पर उसने लाठी से पीटकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस से बचने के लिए शव का अंतिम संस्कार कर रहा था। आसपास के रहवासियों को उसने एक्सीडेंट के कारण मौत होना बताया था। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नायब तहसीलदार ने रेडक्रास कार्यालय का कार्यभार नवीन लेखापाल को दिलाया

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को नीमच कलेक्टर दिनेश जैन और एडीएम नेहा मीना के निर्देश पर नायब तहसीलदार रेडक्रॉस भवन पहुंची। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में नवीन लेखापाल को काम का कार्यभार सौंपा। पूर्व में रेडक्रॉस भवन के लेखापाल उमेश चौहान कार्यभार संभाल रहे थे। जिन्हें काम में लापरवाही के चलते सस्पेंड कर दिया। तभी से कार्यालय का कामकाज किसी के पास नहीं था। मंगलवार को नवीन लेखापाल को कार्यभार सौंपा गया।इस मौके पर नायब तहसीलदार जागृति जाट और प्रशासनिक अधिकारी सहित रेडक्रॉस के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। जिनकी मौजूदगी में अलमारी का ताला तोड़कर पास बुक, दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त की गई। साथ ही पूर्व लेखपाल उमेश चौहान के कार्यभार को समाप्त कर नए लेखपाल देवी लाल मौर्य को व्यवस्था सुधार के लिए कार्यभार सौंपा।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने की करणी सेना के अध्यक्ष की हत्या, क्रॉस फायरिंग में एक हमलावर ढेर

जयपुर, 5 दिसम्बर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष की बदमाशों द्वारा ताबडतोड गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। घर में घुसकर किए गए हमले में तीन लोग गंभीर घायल हुए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। लेकिन इलाज के दौरान सुखदेव सिंह की मौत हो गई।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में नई सरकार के सामने लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बडी चुनौती पेश करते हुए राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की घर में घुसकर हत्या कर दी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा कपूरीसर और गोल्डी बरार ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। इसके बाद राजनीतिक हस्तियों ने गोगामेडी की मौत पर दुख प्रकट किया है। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें गोगामेडी से बातचीत करने पहुंचे बदमाशों ने अचानक ही उन पर फायरिंग कर दी। किसी को संभलने का मौका तक नहीं दिया।

घटनास्थल पर पहुंचे जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा कि तीन लोग बाहर से सुखदेव जी से मिलने आए थे। सिक्योरिटी से अनुमति मिलने के बाद तीनों अंदर गए। दस मिनट उनमें बातचीत हुई। इसके बाद सुखदेव जी पर फायरिंग हुई। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है। हमले के समय उनके पास सिक्योरिटी गार्ड खडा था, उसे भी गोली लगी है। वह आईसीयू में है। क्रॉस फायर में एक हमलावर की भी मौत हो गई है। उसका नाम नवीन सिंह शेखावत है। मूल रूप से शाहपुरा के पास का रहने वाला है। अभी जयपुर में रह रहा था। दोनों हमलावरों की तलाश में पुलिस ने नाकाबंदी कर दी है। जगह-जगह बैरिकेटिंग कर हमलावरों को तलाशा जा रहा है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का आयोजन कल

नीमच, 5 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सन 1947 से हर वर्ष 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वीर सैनिको के कल्याण के लिए स्वेच्छानुसार जन-साधारण से धन संग्रहण किया जाता है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप केप्टन संजय दीक्षित मंदसौर (से.नि.) ने जिले के सभी विभागों, कालेजो, स्कूलों तथा जनमानस से व्यक्तिगत रूप से सशस्त्र सेना झंडा निधि में दान राशि देकर सैनिक और उनके परिवार के कल्याण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की अपील की है। 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से दो बजे के मध्य जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, कल्याण संयोजक, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय मंदसौर द्वारा जिला कलेक्टर दिनेश जैन एवं जिले के समस्त विभाग प्रमुखों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर प्रतीकात्मक फ्लेग, लेपल पिन लगाकर सशत्र सेना झंडा दिवस की राशि संग्रहण की शुरूआत की जायेगी।

स्टेयरिंग फैल होने से पेड़... पेज 1 से जारी

उम्र 55 वर्ष, धनराज पिता नारायण उम्र 40 वर्ष गम्भीर रूप से घायल हो गए। जबकि सोनू पिता रूपलाल नामक 13 वर्षीय बालक की मौत हो गई। फिलहाल घायलों का नीमच के बड़े अस्पताल में इलाज हो रहा है। वहीं मृत बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पीएम रूम में रखा गया है।

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट
गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 05.12.2023

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री परसराम चंद्रवंशी पिता कारूलाल जी जाति बागरी, निवासी ग्राम रानाखेड़ा तह. व जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान जो मकान नंबर-178 पर दर्ज होकर, वार्ड क्रमांक 14 में स्थित होकर, ग्राम रानाखेड़ा, ग्राम पंचायत बिलांत्री, प.ह.नं. 66 तहसील व जिला मंदसौर का सहस्वामी विधिवत रजिस्टर्ड सहस्वामित्व पत्र ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी249392023ए 12587681 दिनांक 24.11.2023 से अपनी पत्नी श्रीमती कमलाबाई बागरी पति परसराम जी बागरी जाति बागरी, निवासी ग्राम रानाखेड़ा तह. व जिला मंदसौर को बनाया है। उक्त भूखण्ड की चर्तु:सीमा य पैमाईश निम्नवत है- चर्तु:सीमा-पूर्व में-जगदीश का प्लाट, पश्चिम में-कमलाबाई का प्लाट, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-प्लाट, पैमाईश-पूर्व से पश्चिम 30 फीट, उत्तर से दक्षिण 30 फीट, कुल क्षेत्रफल-900 वर्गफीट या 83.61 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर श्री परसराम चंद्रवंशी पिता कारूलाल जी जाति बागरी, निवासी ग्राम रानाखेडा तह, व जिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

*** अंतिमयात्रा ***

हमारे पिताजी, संतोष, दिनेश व मालूराम के काकाजी, अर्पित, अंकित, दीपक, गौरव, अवि, अनुज, मोहित, शोभित के दादाजी श्री चौगानमल बंसल (मामाजी) का निधन हो गया है। अंतिमयात्रा 6 दिसम्बर 2023 को प्रात: 10 बजे हमारे निवास रेलवे फाटक स्थित बस स्टेण्ड के पास राज मेडीकल, पिपलियामंडी से निकलेगी।

***** शोकाकुल *****
राजेन्द्र बंसल, प्रकाश बंसल (जिलाध्यक्ष श्रमजीवी पत्रकार संघ) पिपलियामंडी

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in